Dr. Mamta R. Agarwal,
Advisor-I, P&AP

Phone : 011-26131577 - 78, 80
011-29581000
Website : www.aicte-india.org

सत्यमेव जयते

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्
(भारत सरकार का एक सांविधिक निकाय)
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
नेल्सन मंडेला मार्ग, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070

ALL INDIA COUNCIL FOR TECHNICAL EDUCATION
(A Statutory Body of the Govt. of India)
(Ministry of Education, Govt. of India)
Nelson Mandela Marg, Vasant Kunj, New Delhi-110070

**Email- advpnap@aicte-india.org**

**F. No. AICTE/P&AP/Misc/2023/** **Dated: 23.05.2023**

## CIRCULAR

To

**All Vice Chancellors of Technical Universities and**
**All Directors/ Principals of AICTE Approved Institutions,**

**Subject: Various initiatives and Reforms in Health Sector in the last 8 years- Ref. from Ministry of Health and Family Welfare- reg.**

Sir/Madam,

Ministry of Health & Family Welfare and Chemicals & Fertilizers, GOI has taken various initiatives in last 8 years to bring significant improvement in Health Sector, primarily in the areas like Medical Education. National Health Mission, Ayushman Bharat, Disease Elimination, Up-gradation of Infrastructure in Central Government Hospitals, besides combating Covid-19 pandemic successfully. All these achievements have been compiled in a booklet by the Ministry of Health & Family Welfare and Chemicals & Fertilizers. A copy of the booklet is enclosed on various initiatives and reforms in Health sector for information please.

You are requested to disseminate information on various health schemes. Programmes, initiatives of the Government and create awareness among the academic fraternity, students and staff of your institute. Better awareness about health care schemes will enhance access to Universal Health Care and bring us closer to the healthy and *'Aayushman Bharat'*.

With regards,

Yours Sincerely,

23 May '23

**(Dr. Mamta Rani Agarwal)**

सूचना का अधिकार

# स्वस्थ और सशक्त भारत की ओर

**2022**

# CONTENTS

## स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय


| | | |
|---|---|---|
| 1 | प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना | 05 |
| 2 | आयुष्मान भारत- हैल्थ एंड वैलनेस सेंटर | 12 |
| 3 | आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन | 16 |
| 4 | प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हैल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन | 19 |
| 5 | सुदृढ़ होती भारत की चिकित्सा शिक्षा | 21 |
| 6 | सुदृढ़ होता राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन | 27 |
| 7 | स्वास्थ्य अनुसंधान के क्षेत्र में नए और उन्नत पारिस्थितिकी तंत्र की स्थापना | 34 |
| 8 | राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा | 39 |
| 9 | प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम | 42 |
| 10 | टीबी हारेगा, देश जीतेगा | 46 |
| 11 | सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम | 49 |
| 12 | राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम | 50 |
| 13 | राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम | 52 |
| 14 | राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम | 53 |
| 15 | राष्ट्रीय कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम | 54 |
| 16 | राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम | 56 |
| 17 | केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) | 57 |
| 18 | भोजन का गुणवत्तापूर्ण होना और स्वच्छ उपयोग सुनिश्चित करना | 59 |
| 19 | पथ-प्रवर्तक स्वास्थ्य पहल | 60 |
| 20 | कोविड-19 प्रबंधन और कोविड टीकाकरण कार्यक्रम | 62 |

# CONTENTS

## स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय


1 प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना 05

2 आयुष्मान भारत- हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर 12

3 आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन 16

4 प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन 19

5 सुदृढ़ होती भारत की चिकित्सा शिक्षा 21

6 सुदृढ़ होता राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन 27

7 स्वास्थ्य अनुसंधान के क्षेत्र में नए और उन्नत पारिस्थितिकी तंत्र की स्थापना 34

8 राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा 39

9 प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम 42

10 टीबी हारेगा, देश जीतेगा 46

11 सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम 49

12 राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम 50

13 राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम 52

14 राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम 53

15 राष्ट्रीय कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम 54

16 राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम 56

17 केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) 57

18 भोजन का गुणवत्तापूर्ण होना और स्वच्छ उपयोग सुनिश्चित करना 59

19 पशु-प्रकृति स्वास्थ्य पहल 60

20 कोविड-19 प्रबंधन और कोविड टीकाकरण कार्यक्रम 62

# उपलब्धियां और नई पहल

स्वस्थ और सशक्त भारत की ओर

POCKETBOOK

## प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना की प्रगति

| | |
|---|---|
| 22 करोड़ से अधिक | आयुष्मान कार्ड बनाए गए |
| 4.25 करोड़ से अधिक | अधिकृत अस्पताल भर्ती |
| 50,277.4 करोड़ | अधिकृत अस्पताल भर्ती राशि |
| 26,054 | पैनल में शामिल कुल अस्पताल |

> जारी किए गए आयुष्मान कार्ड्स

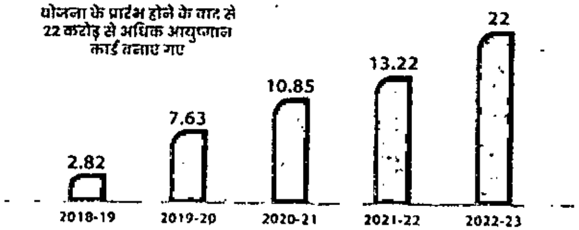


डाटा करोड़ में

डाटा 31 दिसम्बर 2022 तक

▶ जेब से होने वाले खर्च को बचाना - परिवारों को बचाना

जारी किए गए आयुष्मान कार्ड

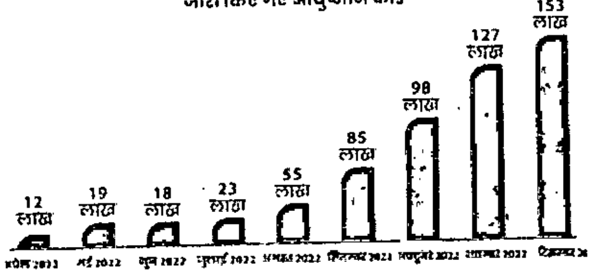


अधिकृत अस्पताल भर्ती की राशि
₹50,277 करोड़

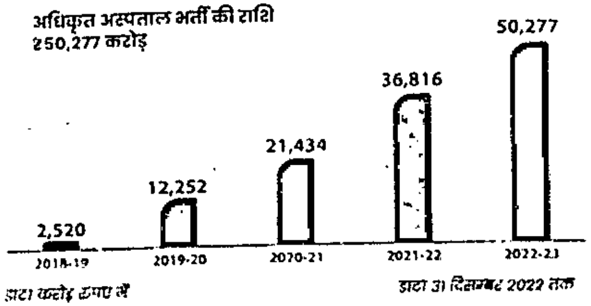


कुल अस्पताल भर्ती राशि

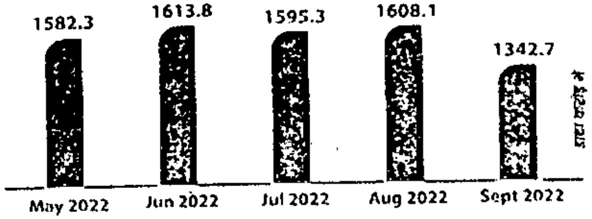


अस्पताल भर्तियाँ- 4.25 करोड़

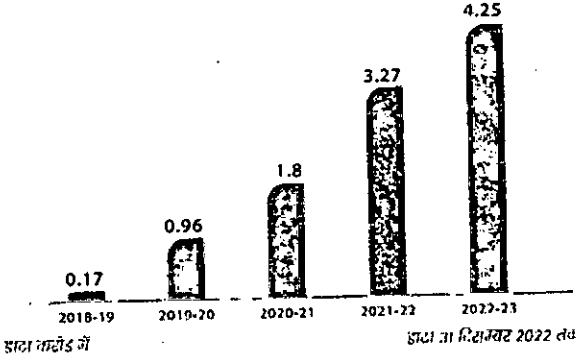


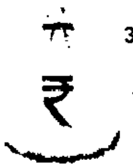

अधिकृत
अस्पताल भर्ती
की राशि
₹50,277
करोड़

▶ पहुंच में वृद्धि

पैनलबद्ध अस्पतालों की संख्या- 26,054

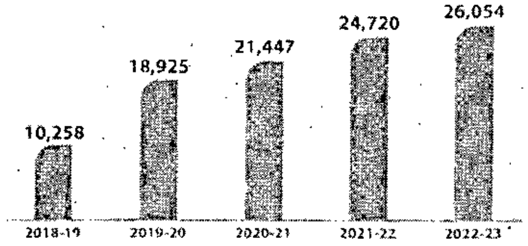


प्रति लाख पात्र लाभार्थियों पर अस्पताल में विस्तरों की संख्या

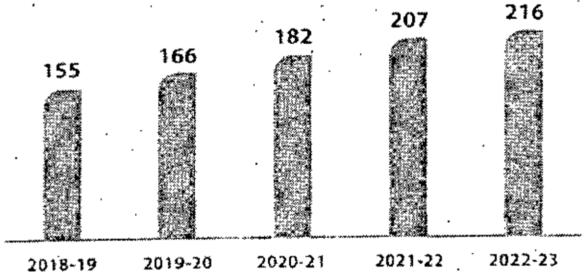


▶ पीएमजेएवाई के तहत अस्पताल में विस्तरों की उपलब्धता में वृद्धि का वार्षिक रुझान (संचयी)

अस्पताल विस्तरों की संख्या (हज़ार में)

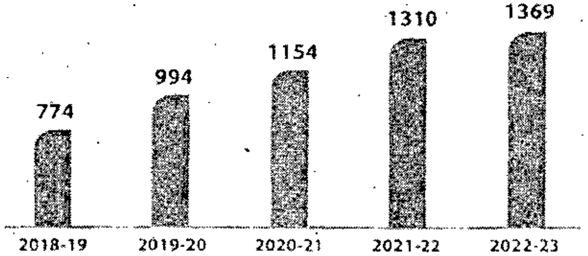


पीएमजेएवाई के तहत राज्यों को जारी राशि- ₹14,986.44 करोड़ राशि का उपयोग (करोड़ में)

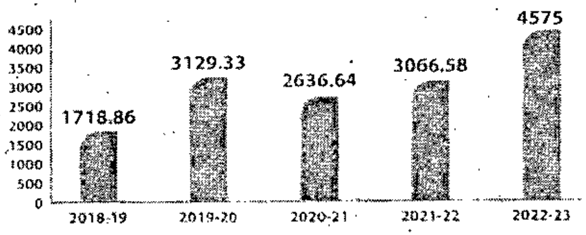

## आयुष्मान भारत प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य लाभ पेकेज का विस्तार

400+ प्रक्रियाओं के लिए कीमतों में वृद्धि- कुल 1,670

नैदानिक सेवाओं के लिए नई प्रक्रियाओं को अपनाना

**नवम्बर 2021**

उपचार प्रक्रियाएं बढ़कर 1,592 हुई

दावा अधिनिर्णय और धोखाधड़ी शमन के लिए मशीन पठनीय एचबीपी (HBP) नैदानिक सेवाओं के लिए नई प्रक्रियाओं को अपनाना

**नवम्बर 2019**

**अप्रैल 2022**

365 नई प्रक्रियाएं जोड़ी गई- कुल 1,949

- विभेदक मूल्य निर्धारण
- उपशामक देखभाल विशेषता

**नवम्बर 2020**

उपचार प्रक्रियाएं बढ़कर 1,669 हो गई

अंग और ऊतक प्रत्यारोपण प्रक्रियाओं को शामिल करना

**सितम्बर 2018**

योजना 1,393 पेकेज के साथ प्रारंभ की गई

स्थानीय आवश्यकताओं को समायोजित करने के लिए राज्य-विशिष्ट विविधताओं की अनुमति है

## आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाय) की शानदार यात्रा

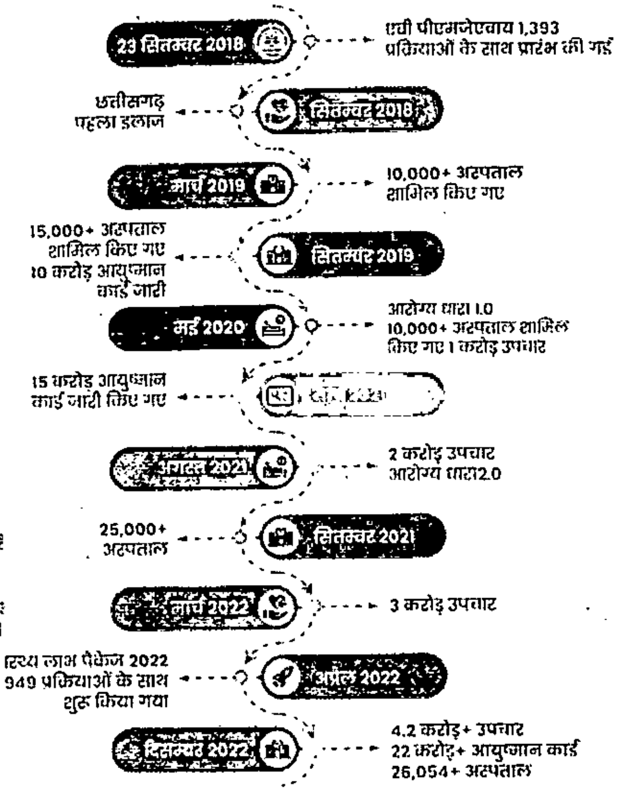

▶ 1,54,070 से अधिक एबी-एचडब्ल्यूसी संचालित

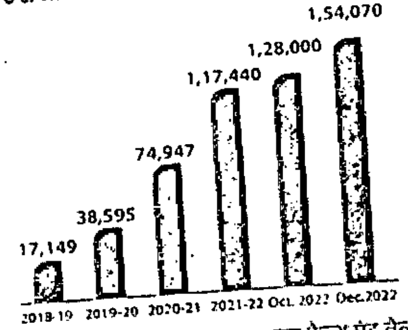


दिसंबर 2022 तक 1.5 लाख आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के संचालन के लक्ष्य को सफलतापूर्वक प्राप्त किया। 4,000 अतिरिक्त एबी-एचडब्ल्यूसी का संचालन भी शुरू हुआ।

▶ एबी-एचडब्ल्यूसी में आने वाले रोगियों की वर्ष-वार संचयी संख्या (करोड़ में)

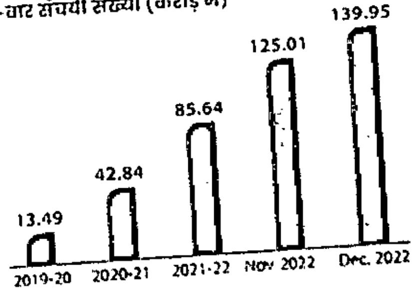




▶ एबी-एचडब्ल्यूसी विभिन्न रोगों के लिए जांच प्रदान करते हैं

कुल उच्च रक्तचाप जांच- **29.98 करोड़**

कुल मधुमेह जांच- **25.58 करोड़**

*31.12.2022 तक

मुंह के कैंसर की कुल जांच **17.45 करोड़**

स्तन कैंसर की कुल जांच **8.27 करोड़**

सर्वाइकल कैंसर की कुल जांच **5.66 करोड़ से अधिक**

*31.12.2022 तक

एबी-एचडब्ल्यूसी में आने वाले रोगियों की संचयी संख्या- **135.95 करोड़**

*31.12.2022 तक

आयोजित योग/आरोग्य सत्रों की संख्या- **1.60 करोड़**

*31.12.2022 तक

ब्लॉक हेल्थ मेला (18 अप्रैल - 20 मई 2022)

**5,32,476**
ABHA स्वास्थ्य आईडी बनाई गई

**1,98,537**
पीएम-जेएवाय गोल्डन कार्ड जारी किए गए

**2.5 लाख**
टेली-परामर्श

**35,547**
योग/आरोग्य/ध्यान सत्र आयोजित किए गए

*18 मई से 8 अप्रैल 2022 तक

**1,57,984**
मुंह के कैंसर की जांच

**82,659**
गर्भवती महिलाओं में हेपेटाइटिस बी की जांच

**1,386**
रक्तदान शिविर

**668**
अंगदान पंजीकरण

*18 मई से 8 अप्रैल 2022 तक

**11,09,825**
उच्च रक्तचाप की जांच

**10,08,271**
मधुमेह जांच

**3,11,749**
मोतियाबिंद जांच

**93,932**
लोगों की टीबी जांच

**4,849**
हेल्थ मेले 33 राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों में आयोजित

**47.3 लाख**
से अधिक लोग लाभान्वित

*18 मई से 8 अप्रैल 2022 तक

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के लिए बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि

एबीडीएम के तहत स्वास्थ्य अवसंरचना पर व्यय

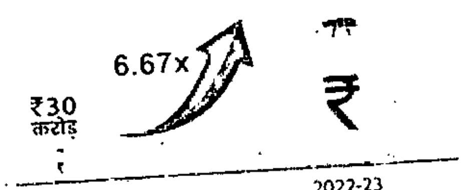


आभा ने तीव्र गति और उल्लेखनीय दक्षता से कार्य किया

भारत का बदलता डिजिटल हेल्थकेयर परिदृश्य

31.81 करोड़ से अधिक आभा बनाए गए

1,29,956 स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों का सत्यापन किया गया

1,98,239 स्वास्थ्य केन्द्रों का सत्यापन किया गया

13,10,53,316 स्वास्थ्य रिकॉर्ड जोड़े गए



## 31.81 करोड़ से अधिक आभा बनाए गए

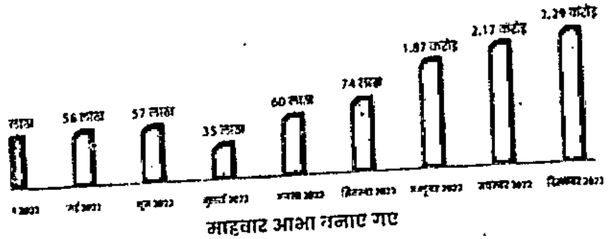


माहवार आभा बनाए गए

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन

## मजबूत होता डिजिटल हेल्थ इकोसिस्टम

**आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत**

**10 करोड़**

- देश की पांचवें भाग से अधिक आबादी के लिए आभा आईडी सितंबर 2021 से एबीडीएम के राष्ट्रीय स्तर पर प्रारंभ होने के बाद बनाई गईं

डिजिटली जोड़े गए

- एबीडीएम के साथ 74 इंटीग्रेटर्स को सफलतापूर्वक एकीकृत किया गया है।

ई-संजीवनी - भारत की डिजिटल स्वास्थ्य यात्रा को नई ऊंचाइयों पर ले जाना

- एक सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार, टेलीमेडिसिन ने रोगी की प्रति स्वास्थ्य यात्रा में 21.59 किमी की यात्रा की बचत की।
- एक सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार, टेलीमेडिसिन ने रोगी की प्रति स्वास्थ्य यात्रा में 21.59 किमी की यात्रा की बचत की।

ई-संजीवनी सेवाएं अब

**1,11,054**

से अधिक आयुष्मान भारत स्वास्थ्य और वेलनेस सेंटर पर उपलब्ध हैं।

▶ टेली-परामर्श में वर्ष वार वृद्धि-

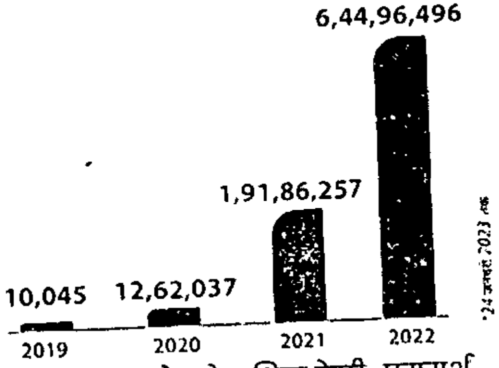


**कुल 9 करोड़ से अधिक टेली-परामर्श**

Creating a future ready resilient healthcare system

वर्तमान और भविष्य की महामारियों/आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए स्वास्थ्य प्रणालियों को तैयार करने के लिए 64,180 करोड़ रुपये का परिव्यय और सभी स्तरों पर देखभाल की निरंतरता में स्वास्थ्य प्रणालियों की क्षमता विकसित करना

▸ 2025-26 तक अपेक्षित परिणाम ▶ व्यापक महामारी अनुसंधान

- टेलीकंसल्टेशन वाले 1.5 लाख हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर
- मौजूदा 80 वायरल रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक लैब्स को मजबूत बनाना
- 15 स्वास्थ्य आपातकालीन प्रचालन केंद्र
- 15 नई जैव सुरक्षित लेवल III प्रयोगशालाओं का संचालन
- 33 रोग प्रकोपों के विश्लेषण और पूर्वानुमान की उन्नत क्षमता
- एक स्वास्थ्य के लिए एक नई राष्ट्रीय संस्थान

▶ संक्रामक रोगों की व्यापक निगरानी

- जिला स्तर पर 3382 ब्लॉक जन स्वास्थ्य इकाइयां
- आईसीएमआर एनसीडीसी की 15 बीएसएल III प्रयोगशालाएँ
- एकीकृत स्वास्थ्य सूचना मंच

▶ व्यापक निदान और उपचार सुविधा

- 602 जिलों में क्रिटिक केयर अस्पताल ब्लॉक की स्थापना
- 15 24x7 स्वास्थ्य आपातकाल संचालन केंद्र
- एशिया में पहली बार 2 कंटेनर आधारित मोबाइल अस्पताल

वित्तीय वर्ष 2022-23 में एक योजना के लिए ₹10,000 करोड़ आवंटित

## एम्स का रिपोर्ट कार्ड

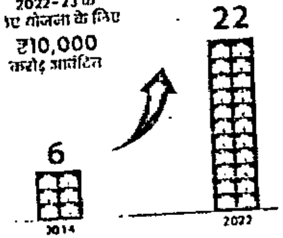


डॉक्टर-जनसंख्या के 1:1000 अनुपात वि.स्वा.सं. की तुलना में भारत का डॉक्टर-जनसंख्या अनुपात 1:834 है (एलोपैथिक और आयुष डॉक्टर शामिल)

▷ पीएम-एबीएचआईएम के तहत प्रमुख उपलब्धियां

01 7,808 भवन रहित उप-स्वास्थ्य केन्द्रों को सहायता

02 264 शहरी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर की स्थापना

03 485 ब्लॉक सार्वजनिक स्वास्थ्य इकाइयों की स्थापना

04 216 एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशाला (आईपीएचएल) और 166 क्रिटिकल केयर (सीसीबी) अस्पताल की स्थापना

## सरकारी मेडिकल कॉलेजों और स्नातक और स्नातकोत्तर सीटों की संख्या बढ़ाने पर विशेष ध्यान

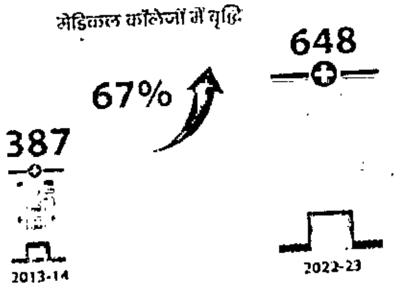

स्नातक सीटों में वृद्धि

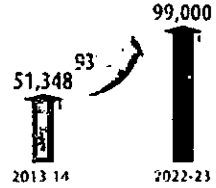


पिछले 8 वर्षों में सीटें बढ़ी हैं
एमबीबीएस 47,000
पीजी 32,000

स्नातकोत्तर सीटें

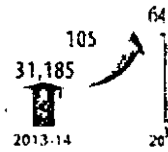


स्नातकोत्तर सीटों की संख्या में वृद्धि

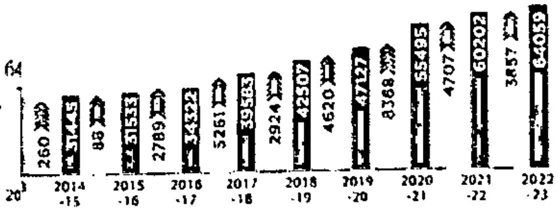


मेडिकल कॉलेजों की संख्या में वृद्धि

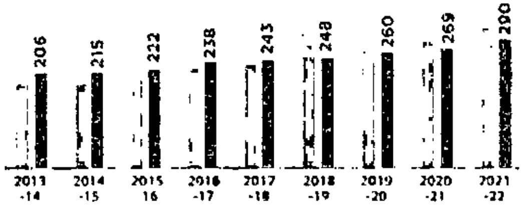


स्नातक सीटों की संख्या में वृद्धि

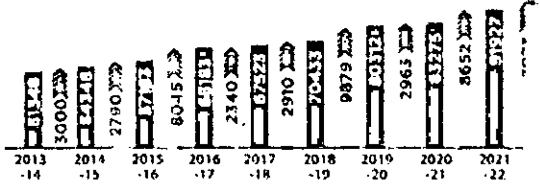


वर्षवार एनबीईएमएस मान्यता प्राप्त सीटें

| [illegible] | वर्ष 2014 | वर्ष 2015 | वर्ष 2016 | वर्ष 2017 | वर्ष 2018 | वर्ष 2019 | वर्ष 2020 | वर्ष 2021 | [illegible] 2022 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [illegible] | 3509 | 3905 | 3762 | 5343 | 5725 | 6215 | 7460 | 7418 | 7148 |
| [illegible] | 638 | 674 | 565 | 967 | 1146 | 1173 | 1924 | 1932 | 2245 |
| [illegible] | 236 | 266 | 259 | 311 | 374 | 394 | 238 | 221 | 373 |
| [illegible] | NIL | NIL | NIL | NIL | NIL | NIL | NIL | 712 | 2882 |
| [illegible] | 4483 | 4845 | 4586 | 6621 | 7245 | 7783 | 9622 | 10283 | 12648 |

## चिकित्सा शिक्षा में निवेश में वृद्धि

नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना के लिए केंद्र प्रायोजित योजनाएं (सीएसएस)

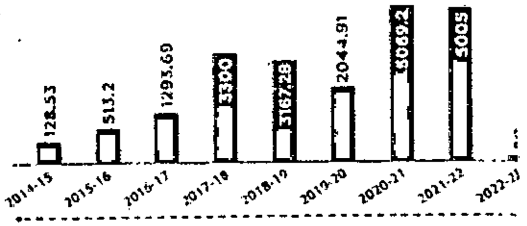


पीजी सीटों की बढ़ोतरी के लिए सीएसएस

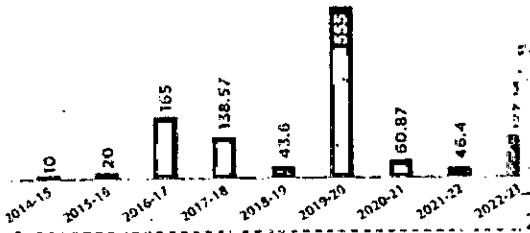


एमबीबीएस सीटों की बढ़ोतरी के लिए सीएसएस

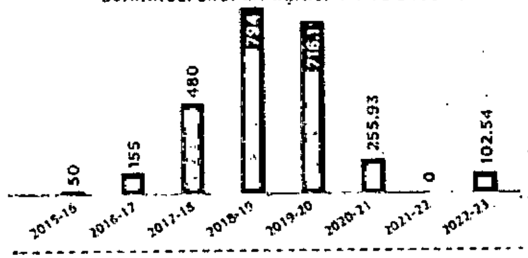


## प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) के बजट आवंटन में भारी वृद्धि

स्वास्थ्य अवसंरचना पर पीएमएसएसवाय व्यय

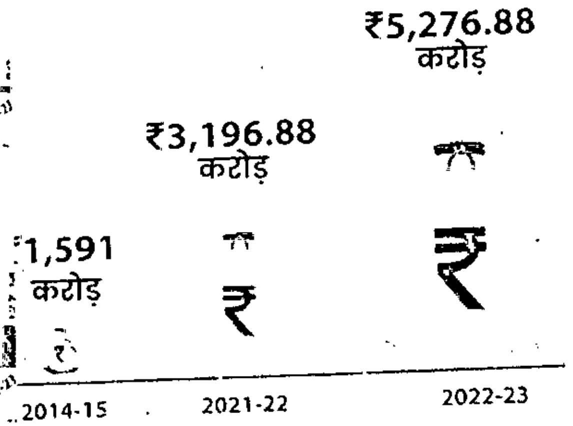


अवसंरचना के विकास के लिए पिछले 8 वर्षों में ₹17,498.98 करोड़ रुपये आवंटित किए गए

2014-15 से बजट में ₹3,730 करोड़ की वृद्धि

बजट आवंटन में वृद्धि

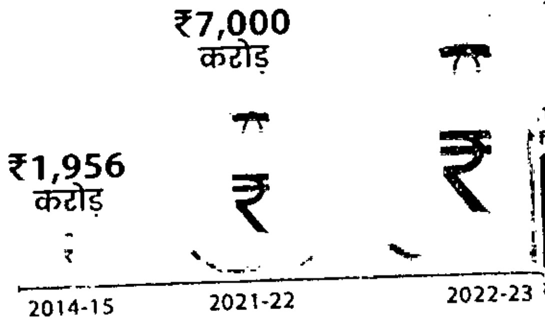


पीएमएसएसवाई योजना के तहत नए एम्स खोलने के लिए पिछले 8 वर्षों में ₹29,937 करोड़ खर्च किए गए

बजट आवंटन में वृद्धि

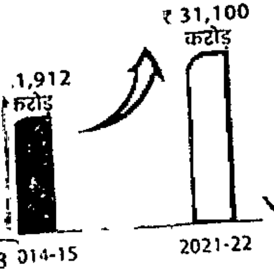


योजना के तहत 8 वर्षों में (2014-15 से अब तक) ₹1,99,227 करोड़ खर्च किए गए

2014-15 से बजट आवंटन में ₹9,188 करोड़ की वृद्धि

जम्मू-कश्मीर में चिकित्सा शिक्षा का नया युग

2022 में डिप्लोमेट ऑफ नेशनल बोर्ड (डीएनबी) स्नातकोत्तर सीटों की संख्या में काफी वृद्धि हुई

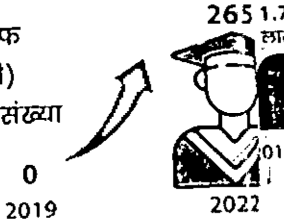


स्वास्थ्य मानव संसाधन वृद्धि

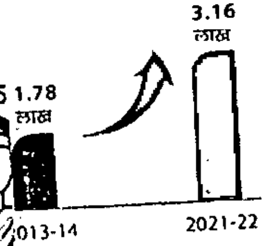


आशा कार्यकर्ताओं की संख्या में वृद्धि

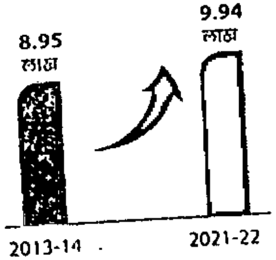

कार्यात्मक प्रथम रेफरल इकाइयां (एफआरयू)

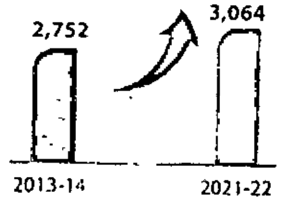


24x7 आधार पर कार्यरत पीएचसी की संख्या

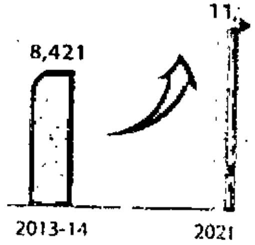


मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) सेवा (परिचालित)

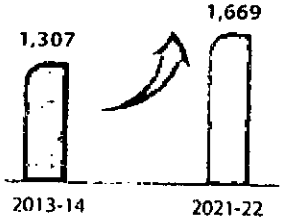


आपातकालीन अनुक्रिया वाहन (परिचालित)

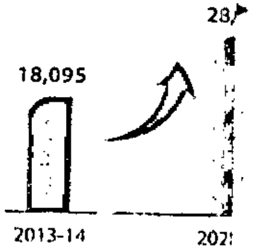


## प्राथमिक और माध्यमिक वृद्धावस्था देखभाल सेवाओं का तेजी से विस्तार

परिचालित जराचिकित्सा ओपीडी सेवाओं वाले जिला अस्पताल

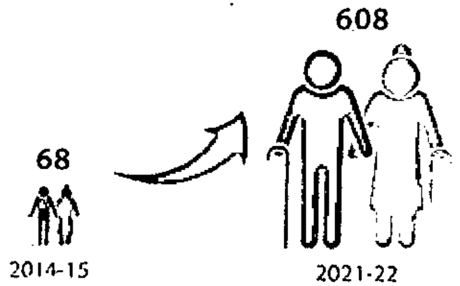


स्वीकृत जिला चिकित्सालय

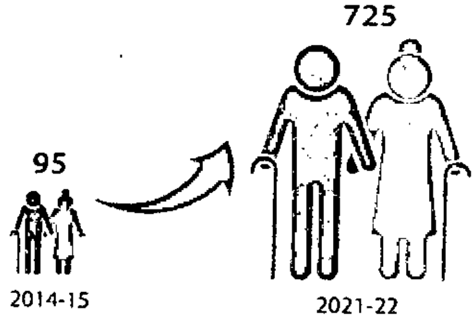

## मातृ स्वास्थ्य में सुधार

- प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान - गर्भवती महिलाओं को गुण
  प्रसव-पूर्व देखभाल प्रदान करना

3.87 करोड़ से अधिक प्रसव-पूर्व जांच की जा चुकी हैं

नवम्बर 2022 तक 34.42 लाख उच्च जोखिम वाली गर्भधारण की पहचान की गई है

अप्रैल-सितंबर 2022 की अवधि के दौरान 44.84 ला लाभार्थियों को जननी सुर योजना के तहत लाभ प्रा हुआ

- लेबर रूम और गुणवत्ता सुधार पहल (लक्ष्य)

गर्भवती महिलाओं को सम्मान सुनिश्चित करना और इसका उद्देश्य प्रसव के दौरान और प्रसव के तुरंत बाद लेबर रूम और प्रसूति ऑपरेशन थिएटर में देखभाल की गुणवत्ता में सुधार करना है

644 लेबर रूम और 504 प्रसूति ऑपरेशन थिएटरों में देखभाल की गुणवत्ता में सुधार - राष्ट्रीय स्तर पर लक्ष्य प्रमाणित (31 दिसंबर 2022 तक)

वित्तीय वर्ष 2021-2 के दौरान कुल मिला 172 लेबर रूम औ 126 प्रसूति ऑपरेशन थियेटर राष्ट्रीय स्तर पर ल प्रमाणित किया ग

### राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम प्रमाणित केन्द्रों की संख्या में वृद्धि हुई है

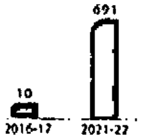


## राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5

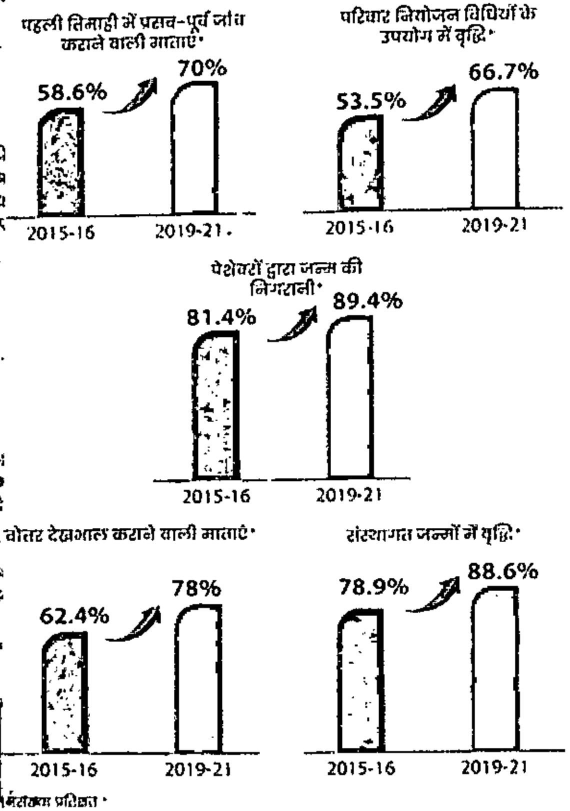


*संदर्भ प्रतिशत *

## बाल मृत्यु दर और मातृ मृत्यु दर में उल्लेखनीय गिरावट

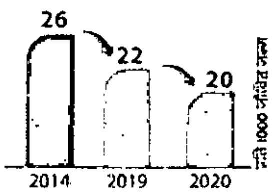


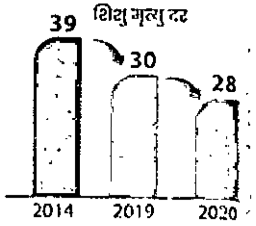


• 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर

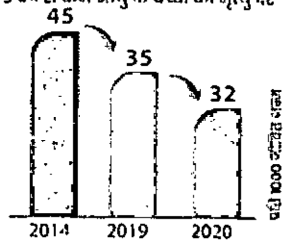


2014 के बाद से मातृ मृत्यु दर में भारी गिरावट

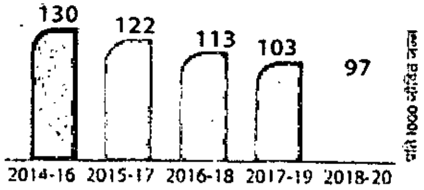


• भारत ने 2022 में बाल मृत्यु दर के एसडीजी लक्ष्यों को प्राप्त किया

## गुणवत्तापूर्ण परिवार नियोजन की ओर अग्रसर

▷ कुल प्रजनन दर में गिरावट

समग्र पोषण स्थिति में प्रमुख सुधार

5 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए पोषण की स्थिति

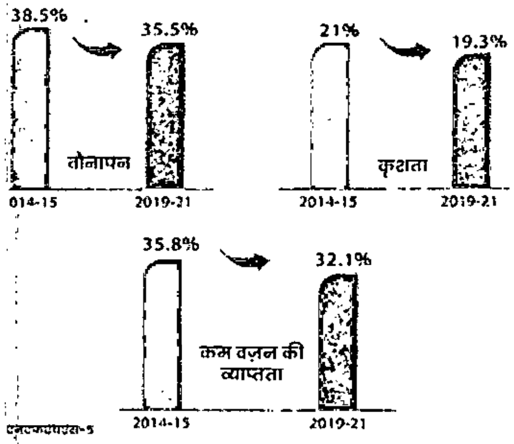

## समग्र स्वास्थ्य बजट में भारी वृद्धि

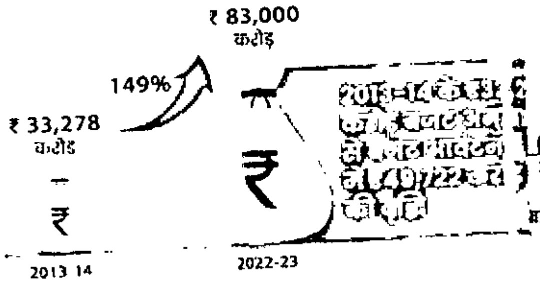


## कुल स्वास्थ्य अनुसंधान बजट में वृद्धि

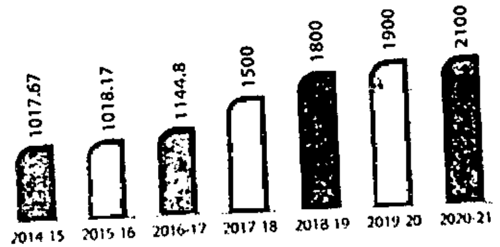


• राशि (करोड़ में)

## निम्नलिखित की संख्या में वृद्धि:

वायरल रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक लेबोरेटरीज (वीआरडीएल)

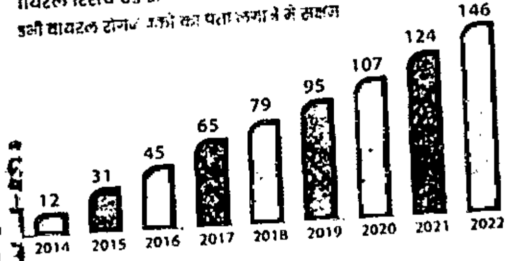


बहु-विषयक अनुसंधान इकाइयाँ (एमआरयू)

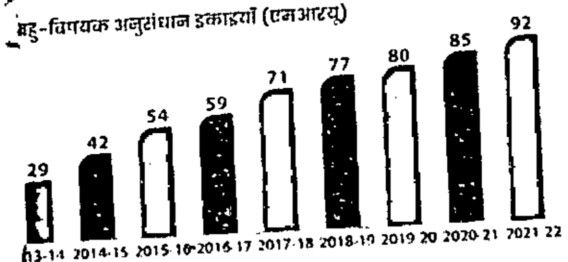


मॉडल ग्रामीण स्वास्थ्य अनुसंधान इकाइयाँ (एमआरएचआरयू)

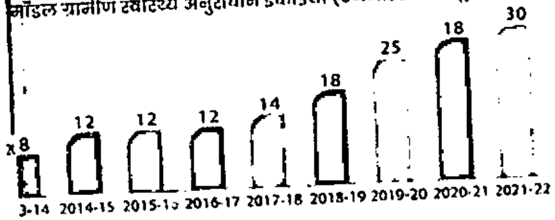

## भारतीय फार्माकोपिया आयोग की विभिन्न मोर्चों पर वर्षवार प्रगति

इंडियन फार्माकोपिया (आईपी) में प्रकाशित मोनोग्राफ की संख्या

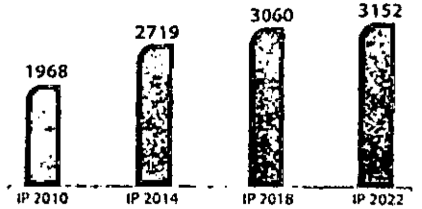


▶ आईपी संदर्भ मानकों का विकास

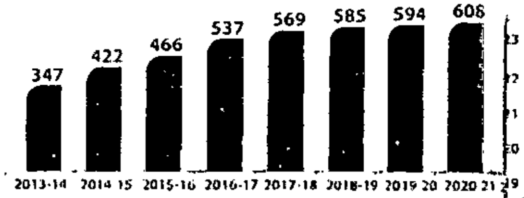


▶ अशुद्धताओं का विकास

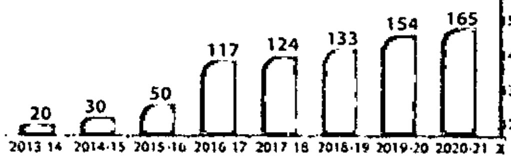


भारत के राष्ट्रीय फार्मूलरी में प्रकाशित मोनोग्राफ की संख्या

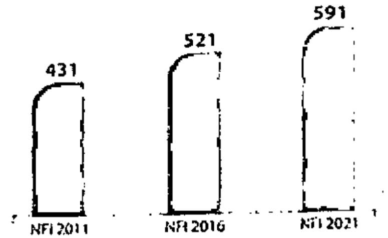


भारत के फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम के तहत प्रतिकूल दवा अनुक्रिया (एडीआर) निगरानी केंद्रों की वर्षवार वृद्धि

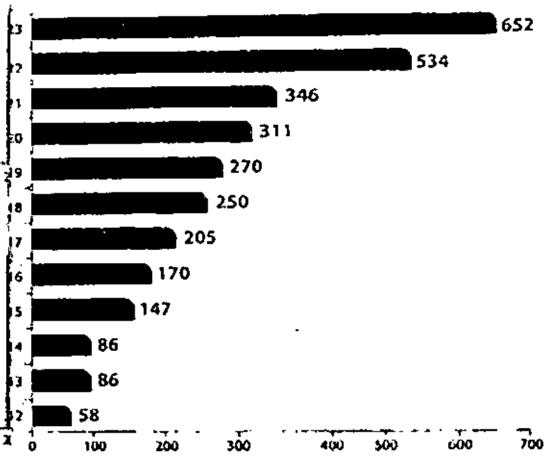

भारत के मैटेरियोविजिलेंस प्रोग्राम (एमवीपीअ
निगरानी केंद्रों की वर्षवार वृद्धि

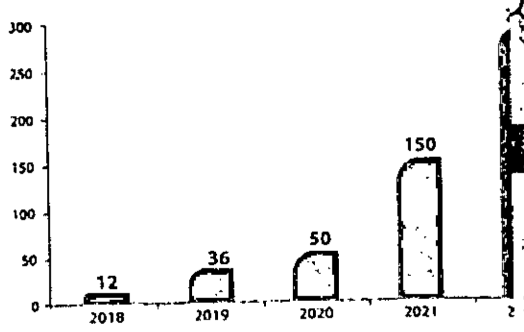


एमवीपीआई द्वारा चिकित्सा उपकरणों की प्रतिकूल घटना एमडीए
रिपोर्ट की संख्या

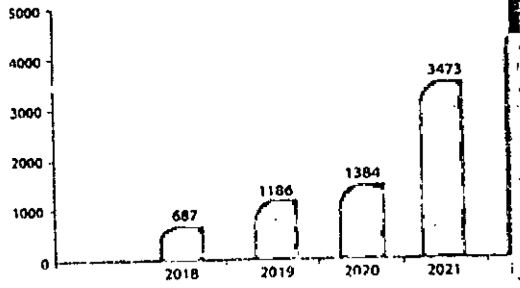


# स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को प्राथमिकता

**सरकारी स्वास्थ्य व्यय (प्रति व्यक्ति)**

₹1,042 (2013-14) → ₹1,815 (2018-19)

2013-14 से 74% की वृद्धि हुई

**सरकार द्वारा वित्तपोषित स्वास्थ्य बीमा**

₹4,757 (2013-14) → ₹12,680 (2018-19)

2013-14 से 167% की वृद्धि हुई

**सरकारी स्वास्थ्य व्यय का प्रतिशत (वर्तमान)**

| 2013-14 | 2018-19 |
|---|---|
| 23.2% | 34.5% |

**स्वास्थ्य पर सामाजिक सुरक्षा व्यय**

| 2013-14 | 2018-19 |
|---|---|
| 6% | 9.6% |

**सरकारी स्वास्थ्य व्यय का प्रतिशत (कुल)**

| 2013-14 | 2018-19 |
|---|---|
| 28.6% | 40.6% |



## जेब से होने वाले व्यय में महत्वपूर्ण गिरावट

| 2013-14 | 2018-19 |
|---|---|
| 64.2% | 48.2% |

स्रोत: राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा अनुमान भारत 2018-19

- गरीबों को मुफ्त डायलिसिस सेवाएं प्रदान करना

कार्यान्वयन की स्थिति

दिसंबर 2022

| राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की संख्या | जिलों की संख्या | एचडी केंद्रों की संख्या | एचडी मशीनों की संख्या |
|---|---|---|---|
| 36 | 641 | 1350 | 8871 |
| 32 | 444 | 765 | 4471 |

अप्रैल 2020

कुल 17.27 लाख रोगियों ने डायलिसिस सेवाओं का लाभ उठाया है

1.8 करोड़ से अधिक हेमोडायलिसिस सत्र आयोजित किए गए

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में पीएमएनडीपी के तहत हेमोडायलिसिस सेवाओं के लिए अनुमोदित फंड

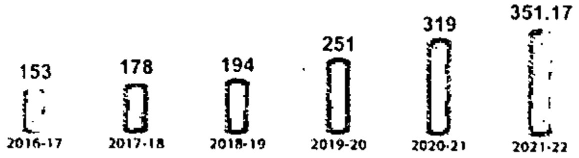


अनुमोदित राशि (करोड़ में)



## मलेरिया मुक्त भारत की ओर तेजी से अग्रसर

- मलेरिया के मामलों में भारी गिरावट

2021 में सिर्फ 24 जिलों ने 1 या अधिक की वार्षिक परजीवी घटना की रिपोर्ट दी

125 जिलों ने जीरो मलेरिया केस की सूचना दी

2014 और 2021 के बीच मलेरिया के मामलों में कुल 85.3% की कमी

11,02,205 (2014) → 1,61,753 (2021)

2014 और 2022 के बीच मलेरिया से होने वाली मौतों में कुल 85.8% की कमी आई है

562 (2014) → 80 (2021)

मलेरिया उन्मूलन कार्यनीतियाँ: रिपोर्ट

12 लाख (2015)

1.5 लाख (2021)

2015 से मलेरिया मृत्यु दर में 77% की गिरावट

स्रोत: राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण केंद्र

## जापानी इंसेफेलाइटिस को हटाना

जापानी इंसेफेलाइटिस के मामलों की संख्या में गिरावट

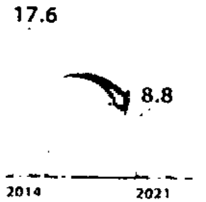


मामले की मृत्यु दर (%)

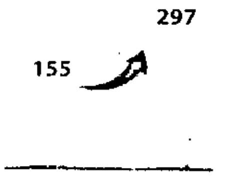


टीकाकरण कवरेज के अंतर्गत लाए गए जिलों की संख्या

## लिम्फेटिक फाइलेरियासिस (लिम्फोएडेमा) के मामलों की संख्या में बड़ी गिरावट

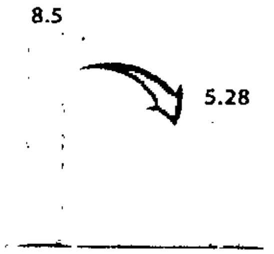


मामले की मृत्यु दर (%)

*संख्या लाख में



## कालाजार उन्मूलन की ओर तेजी से अग्रसर

- रिपोर्ट किए गए कुल 633 कालाजार स्थानिक ब्लॉकों में से > प्रति 10,000 जनसंख्या पर 1 मामला

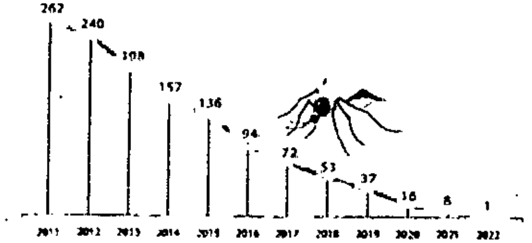


रिपोर्ट किए गए कुल 633 कालाजार स्थानिक ब्लॉकों में से > प्रति 10,000 जनसंख्या पर 1 मामला

## राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम

- प्रसार दर वाले जिलों की संख्या (1 प्रति 10,000 जनसंख्या) से कम

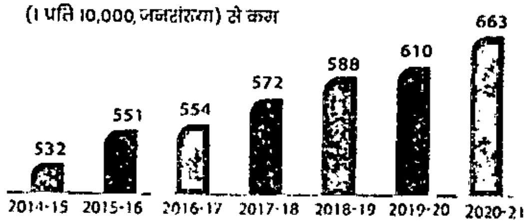


- मुख्य उपलब्धियां

प्रसार दर 2014-15 में 0.69 से 2020-21 में 0.41 तक घटा

नए पाए मामलों के प्रतिशत में आई कमी 2014-15 में 9.04% से 2020-21 में 5.76%

## टीबी परीक्षण में प्रमुख सुधार और उपचार

- उन्नत परीक्षण

टीबी और डीआर-टीबी के लिए परीक्षण

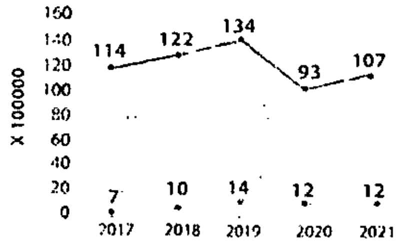


2017 से 2019 तक:
- टीबी परीक्षण में 20% की वृद्धि
- दवा प्रतिरोध परीक्षण लगभग दोगुना

टीबी परीक्षण — डीआर-टीबी परीक्षण

डीआर-टीबी- ड्रग रेजिस्टेंट टीबी

बेहतर उपचार सफलता दर

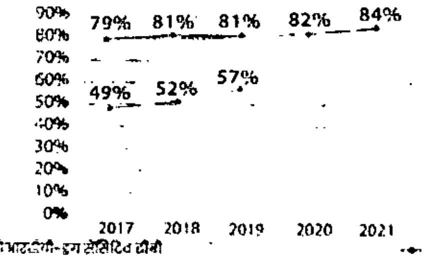


डीएसटीबी-ड्रग सेंसिटिव टीबी
डीआरटीबी-ड्रग रेजिस्टेंट टीबी

डीएस-टीबी — डीआर-टीबी



## महत्वपूर्ण टीबी नैदानिक विस्तार

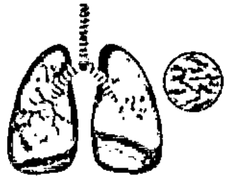

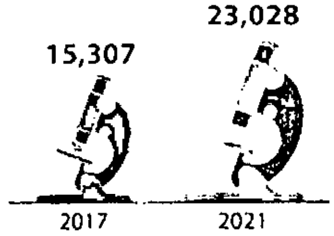


माइक्रोस्कोपी

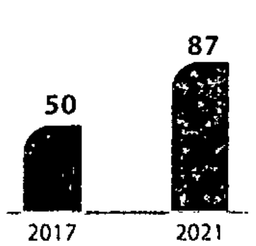


कल्चर लैब
(दवा प्रतिरोध परीक्षण के लिए)

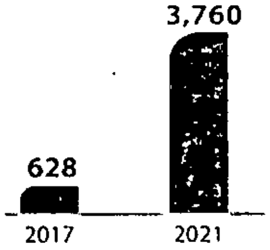


रैपिड आणविक परीक्षण

## टीबी के खिलाफ लड़ाई जीतना

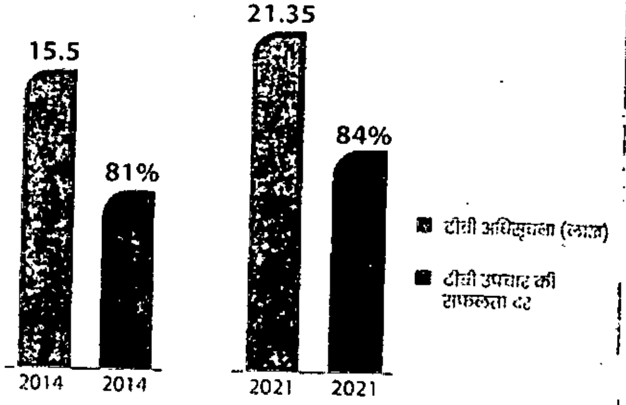


## टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य के लिए टीबी मुक्त आदिवासी
(आश्वासन अभियान के अंतर्गत)

आश्वासन अभियान के तहत 174 आदिवासी जिलों में **एक करोड़ से अधिक लोगों की जांच** की गई

**68,019 गांवों** में घर-घर जाकर टीबी की जांच की गई

**9,971 लोगों** को टीबी पॉजिटिव पाया गया और उन्हें इलाज के लिए रखा गया



## 90 प्रतिशत पूर्ण टीकाकरण के लक्ष्य की ओर अग्रसर - मिशन इंद्रधनुष

पूर्ण टीकाकरण कवरेज में उल्लेखनीय वृद्धि
टीकाकृत बच्चे (उम्र 12-23 माह)

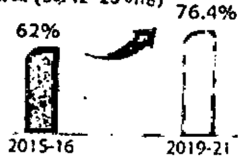


## सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (यूआईपी) - सबसे बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में से एक

## मां और बच्चे को पूर्ण टीकाकरण कवरेज सुनिश्चित करने के 8 सफल वर्ष

मिशन इन्द्रधनुष (एमआई) ने 2014 में लॉन्च होने के बाद से 701 जिलों को कवर करते हुए 11 चरणों को पूरा किया

मई 2022 तक 4.45 करोड़ बच्चों और 1.12 करोड़ गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया गया

कुल अंग प्रत्यारोपण में भारी वृद्धि

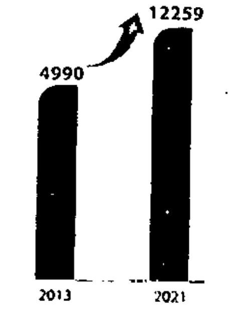


यकृत प्रत्यारोपण में वृद्धि

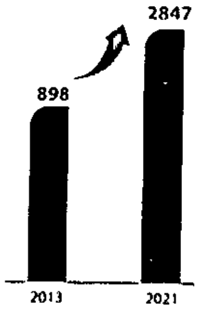


किडनी प्रत्यारोपण में वृद्धि

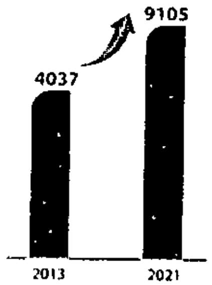


अंगदान है **महादान**

## 2014-15 से 2021-22 तक एनओएचपी की प्रगति

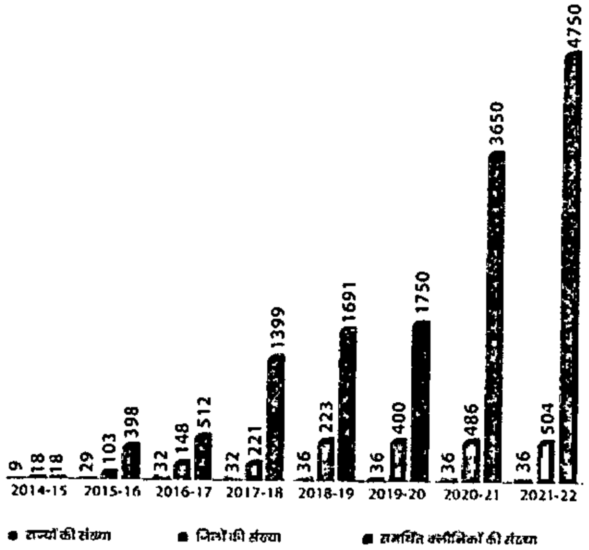

## एनपीसीडीसीएस के तहत की गई स्क्रीनिंग

| संकेतक | उपलब्धियां (संचयी) | संदर्भ अवधि |
|---|---|---|
| जनसंख्या आधारित स्क्रीनिंग (सीपीएचसी एनसीडी पोर्टल) | 13.86 करोड़ | दिसम्बर 2022 तक |

## एनपीसीडीसीएस संरचना

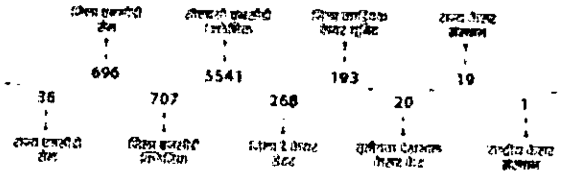


## जिला एनसीडी क्लीनिकों की संचयी संख्या

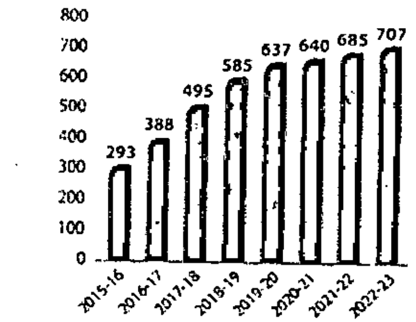


## सीएचसी एनसीडी क्लीनिकों की संचयी संख्या

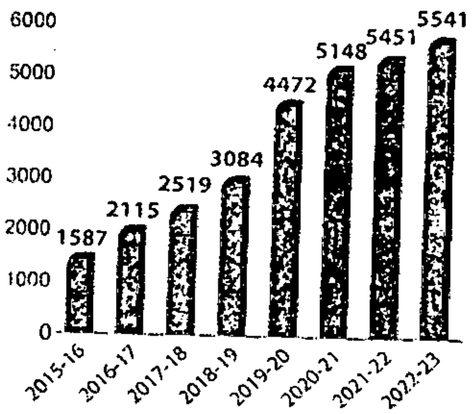

ग्लोबल वयस्क तम्बाकू सर्वेक्षण (जीएटीएस) के अनुसार भारत में तंबाकू के उपयोग की प्रवृत्ति - 15 वर्ष और उससे अधिक - 2 राउंड

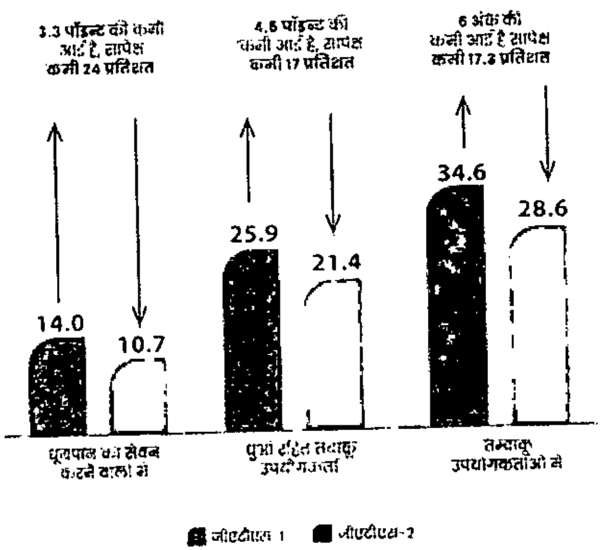


सभी संख्या प्रतिशत में

एनएचए-आईटी के माध्यम से सीजीएचएस दावों के भुगतान में उल्लेखनीय वृद्धि

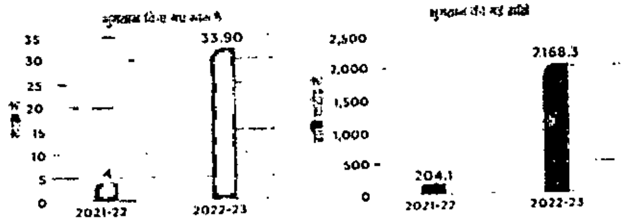


पिछले 6 महीनों में सीजीएचएस मामलों की लंबितता लगभग 6 गुना कम हो गई है

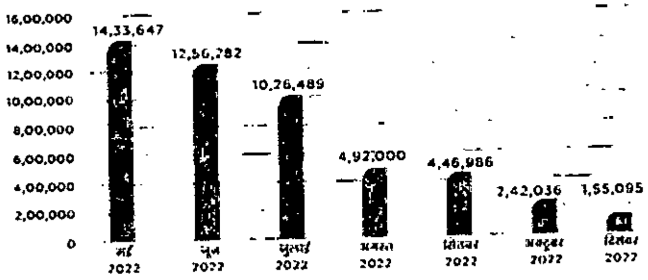

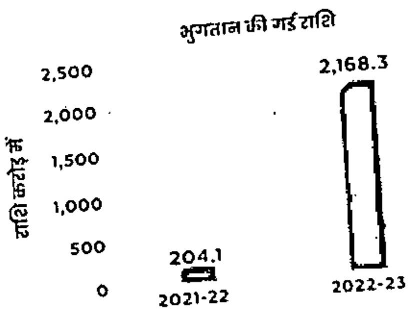


पिछले 6 महीनों में सीजीएचएस मामलों की लंबितता लगभग 6 गुना कम हो गई है

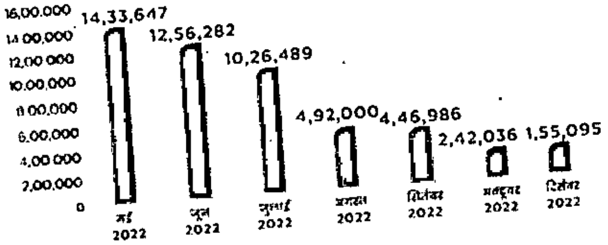


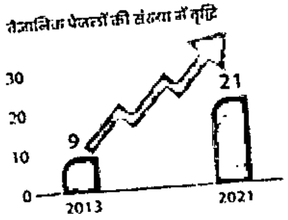


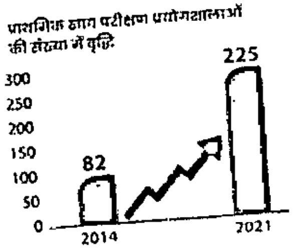


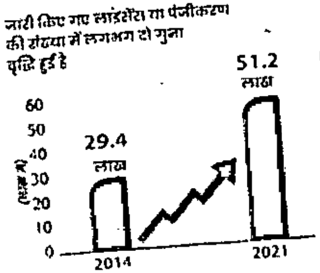


## प्रमुख उपलब्धियां

एफबीओ के केंद्रीय लाइसेंस 14,610 से बढ़कर 62,161 हो गए हैं; 4,66,057 से 9,18,238 तक राज्य लाइसेंस और 20,73,405 से 41,42,771 तक पंजीकरण हो गए।

FSSAI ने 700 से अधिक खाद्य उत्पाद मानक विकसित किए हैं

वैज्ञानिक पैनल 2014 में 12 से बढ़कर 2022 में 21 हो गई है

एफएसएसएआई ने 33,000 अल्पावधि प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के माध्यम से 10 लाख + खाद्य परिचालकों को प्रशिक्षित किया है

नि-क्षय 2.0 पहल के भाग के रूप में **टीबी रोगियों की मदद करने में सहयोग कर रहे है।**

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान

**9,86,232**
टीबी रोगियों ने सामुदायिक सहायता प्राप्त करने की सहमति दी

अभियान

**9,51,662**
टीबी रोगियों के लिए नि-क्षय मित्र की प्रतिबद्धता

## रक्तदान अमृत महोत्सव

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए एक मेगा **स्वैच्छिक रक्तदान अभियान, रक्तदान अमृत महोत्सव** के तहत 2.5 लाख से अधिक लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया

**मानसिक स्वास्थ्य** को प्राथमिकता देना

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत समर्पित जिलों की संख्या

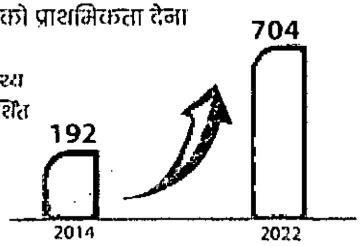


सभी को सस्ती और सुलभ गुणवत्ता वाली मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए **टेली-मानस** लॉन्च किया गया

**टेलीमेंटल स्वास्थ्य सहायता और राज्यों में नेटवर्किंग (टेली मानस)**

प्रत्येक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में 24x7 टेली मानसिक स्वास्थ्य सुविधा स्थापित करना

22+1 परामर्श देने वाले संस्थान

5 क्षेत्रीय समन्वय केंद्र

51 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र टेली मानस प्रकोष्ठ (सेल)

शॉर्टकोड **'14416'** देश भर में टोल-फ्री सुलभता के लिए आवंटित किया गया है

सेवा '1-800-891-4416' के साथ भी उपलब्ध है

कोविड-19 सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिक्रिया के लिए मुख्य क्षमताएँ

**91.44 करोड़**

अब तक कुल परीक्षण किए गए

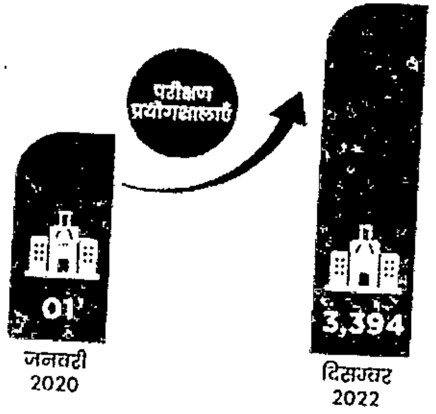


नए वेरिएंट का पता लगाने के लिए जीनोम अनुक्रमण प्रयोगशालाओं का महत्वपूर्ण विस्तार

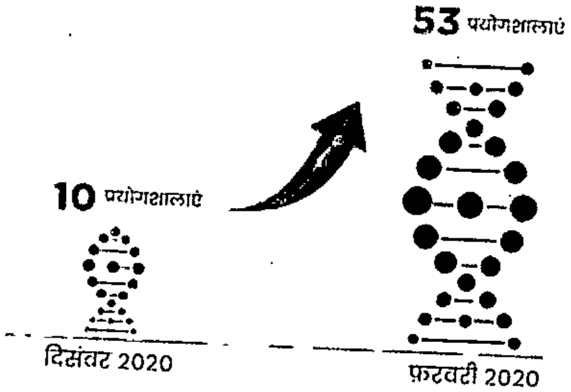


पैन-इंडिया कोविड-19 परीक्षण का विस्तार किया गया

- कुल प्रयोगशालाएँ: **3388**
- सरकारी आरटी पीसीआर लैब: **821**
- निजी आरटी पीसीआर लैब: **1487**
- कार्ट्रिज लैब: **1115**

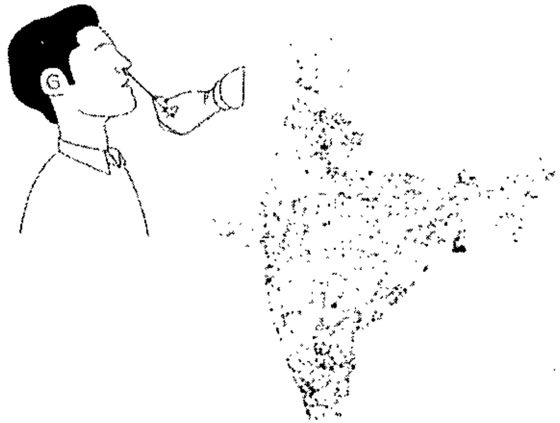

लेह से अंडमान निकोबार तक देश के सुदूरवर्ती हिस्सों में परीक्षण की अवसंरचना स्थापित की गई

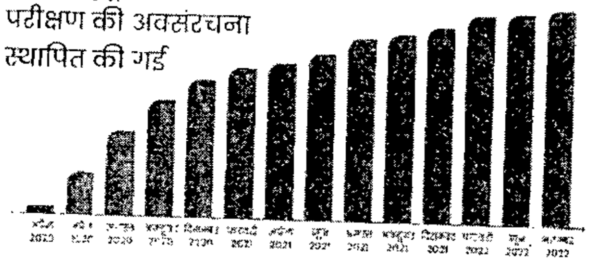

कोविड से संबंधित मेक-इन-इंडिया प्रयास

**आईसीएमआर ने कोविड-19 के लिए एक तीव्रगति से पहला मेक-इन-इंडिया कोविड कवच** एलिसा किट विकसित किया, जो एक अत्यधिक संवेदनशील मानव IgG एलिसा किट है।

**अब तक, 215 आरटी-पीसीआर किटों, 66 रैपिड एंटीबॉडी टेस्ट किटों, 11 होम टेस्टिंग किटों को मान्य किया गया है।**

वर्तमान में देश प्रति माह 1000 लाख से अधिक वीटीएम आरएनए एक्सट्रैक्शन किट और आरटीपीसीआर किट और प्रति माह लगभग 900 लाख रैपिड एंटीजन किट का निर्माण कर सकता है।

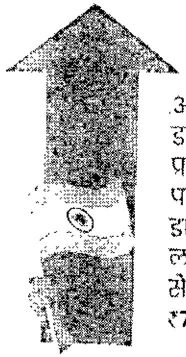

आत्मनिर्भर भारत पहल ने डायग्नोस्टिक बाजार में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा पैदा की जिसके परिणामस्वरूप कोविड-19 डायग्नोस्टिक कमोडिटीज की लागत मई 2020 में ₹**1727** रुपये से घटकर 21 अक्टूबर को ₹**72** रुपये हो गई।

## स्वास्थ्य सम्बंधी बुनियादी ढांचे को सवर्धित करने के लिए राज्यों को सक्रिय वित्तीय सहायता

**राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (2019-20)-**
राज्यों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत ₹1113.21 करोड़ रुपये जारी किए गए

**राज्य आपदा राहत कोष (2020-21)-**
राज्यों को एसडीआरएफ के तहत कोविड-19 प्रबंधन के लिए अधिकतम 50% धनराशि खर्च करने की अनुमति दी गई

**आपातकालीन प्रतिक्रिया और स्वास्थ्य प्रणाली की तैयारी पैकेज-I (2020-21)-**
कोविड-19 प्रबंधन के लिए राज्यों को ₹8473.73 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि प्रदान की गई

**आपातकालीन प्रतिक्रिया और स्वास्थ्य प्रणाली की तैयारी पैकेज-II (2020-21)-**
कोविड-19 प्रबंधन के लिए राज्यों को ₹12,740.22 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि प्रदान की गई

**आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन-5 वर्षीय परिव्यय**
64,180 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ सबसे बड़ी अखिल भारतीय स्वास्थ्य अवसंरचना उन्नयन योजना का शुभारंभ ताकि कोविड-19 और भविष्य की स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान किया जा सके

## कोविड-19 का मुकाबला करने के लिए निरंतर स्वास्थ्य देखभाल अवसंरचना का उन्नयन

**कोविड-19- वर्तमान स्थिति**

22 [illegible] 2021 तक

| समर्पित कोविड अस्पताल | समर्पित कोविड हेल्थ सेंटर | समर्पित कोविड सेंटर | [illegible] |
|---|---|---|---|
| 4,419 | 9,845 | 9,724 | 23,988 |
| कुल आइसोलेशन बेड | ऑक्सीजन के साथ बेड | आईसीयू बेड | वेंटिलेटर |
| 17,93,310 | 5,15,001 | 1,45,014 | 63,850 |
| बाल चिकित्सा आइसोलेशन बेड | बाल चिकित्सा, ऑक्सीजन बेड | बाल चिकित्सा आईसीयू बेड | बाल चिकित्सा वेंटिलेटर |
| 1,29,336 | 71,808 | 15,817 | 8,561 |

| ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स | | पीएसए प्लांट्स | | | ऑक्सीजन सिलेंडर्स | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| 1,13,186 | 1,13,186 | 1,13,186 | 4,135 | 4,126 | 4,02,517 | 4,02,517 |

## रेमेडिसिविर के उत्पादन में भारी वृद्धि

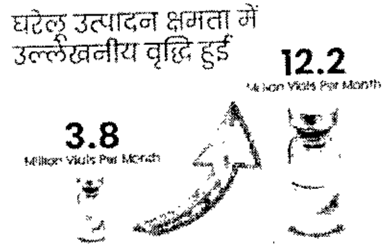

## कोविड-19 टीकाकरण:
लड़ाई और जीत

ऑनलाइन प्रशिक्षण मंच का उपयोग कर 2.64 लाख से अधिक टीका लगाने वालों और 4.76 लाख अन्य टीकाकरण दल के अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया

**वैक्सीन मैत्री** पहल के तहत 100 से अधिक देशों और 2 संयुक्त राष्ट्र संस्थाओं (यूएन पीसकीपर्स और यूएन हेल्थवर्कर्स) को

कुल **291.5 मिलियन**
खुराक की आपूर्ति की गई*

*25 जनवरी 2023 तक

हर घर दस्तक (एचजीडी) 2.0 के तहत उपलब्धि (1 जून-31 जुलाई '22)

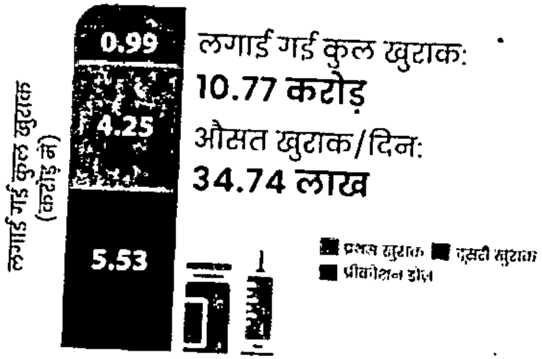


लगाई गई कुल खुराक:
**10.77 करोड़**

औसत खुराक/दिन:
**34.74 लाख**

कोविड टीकाकरण अमृत महोत्सव - 75 दिनों के लिए सभी वयस्कों के लिए मुफ्त कोविड-19 प्रीकॉशन डोज़

**16.07 करोड़ से अधिक प्रीकॉशन डोज़ लगाई गई जिससे पात्र लाभार्थियों के लिए डोज़ का कवरेज 8% से बढ़कर 27% हो गया।**

## भारत ने 17 जुलाई, 2022 को ऐतिहासिक (लैंडमार्क) 200 करोड़ कोविड-19 टीकाकरण को पार कर लिया

प्रमुख उपलब्धि (माइल-स्टोन) हासिल करने में सामजस्यता

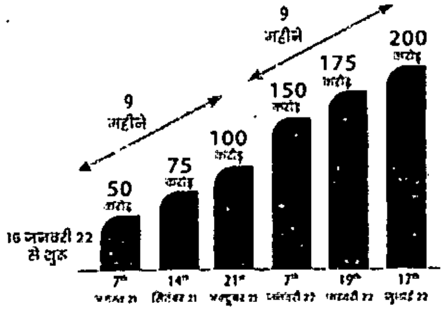


17 सितंबर 2021 को एक दिन में 2.5 करोड़ से अधिक खुराक दी गई

## वैश्विक तुलना - टीकाकरण

लगाई गई कुल खुराकें (करोड़ में)

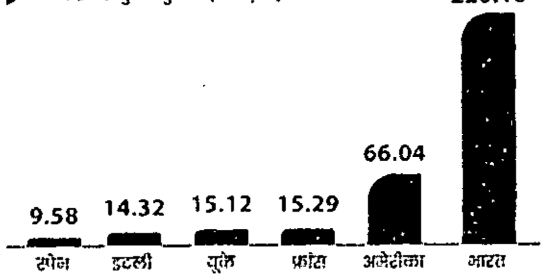


डाटा – 25 जनवरी, 2023 की स्थिति के अनुसार

पूरी तरह से टीकाकृत लाभार्थी (करोड़ में)

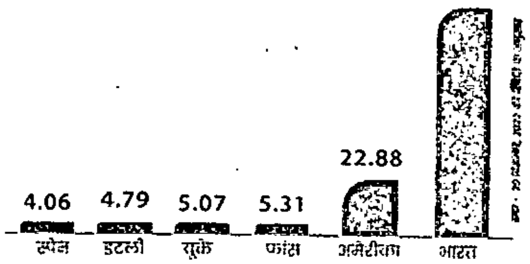

टीकाकरण की गति

पहली डोज तुलना

दूसरी डोज तुलना